भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
औषध विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4695
दिनांक 28 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

पीएम जन औषधि केंद्रों की मांग

4695. श्री कालिपद सरेन खेरवालः

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पश्चिम बंगाल सहित पूरे देश में प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्रों की स्थापना की मांग बढ़ रही है;
(ख) यदि हां, तो विशेषकर झारग्राम जिले सहित पश्चिम बंगाल में जिलावार स्थापित प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्रों की कुल संख्या कितनी है;
(ग) वर्ष 2029 तक पश्चिम बंगाल सहित देश में कुल कितने जन औषधि केन्द्रों की स्थापना का लक्ष्य है; और
(घ) इन प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्रों के माध्यम से देश के आम लोगों को प्रदान किये जा रहे लाभ का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री (श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) और (ख): सरकार ने सभी को वहनीय मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयाँ उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना शुरू की है। इस योजना के तहत, जन औषधि केंद्र (जेएके) के रूप में जाने जाने वाले समर्पित आउटलेट पूरे देश में खोले गए हैं, जहाँ अधिकतम खुदरा मूल्यों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयाँ उपलब्ध कराई जाती हैं, जो बाजार में अग्रणी ब्रांडेड दवाओं की तुलना में लगभग 50% से 80% सस्ती हैं। इस योजना के उत्पाद समूह में 2,047 दवाइयाँ और 300 सर्जिकल, चिकित्सा उपभोग्य वस्तुएँ और उपकरण शामिल हैं, जो सभी प्रमुख चिकित्सीय समूहों जैसे कि हृदयवाहिका संबंधी, कैंसर-रोधी, मधुमेह-रोधी, संक्रमण-रोधी, एलर्जी-रोधी और गैस्ट्रो-आंत्र संबंधी दवाइयाँ और न्यूट्रास्युटिकल्स को कवर

करते हैं। दिनांक 28.2.2025 तक देश भर में कुल 15,057 जेएके खोले जा चुके हैं, जिनमें से 630 जेएके पश्चिम बंगाल राज्य में खोले गए हैं, जिनमें राज्य के झारग्राम जिले के दो जेएके शामिल हैं। उक्त तिथि तक पश्चिम बंगाल राज्य में खोले गए जेएके की जिला-वार संख्या अनुलग्नक में दी गई है।

(ग): सरकार ने मार्च 2027 तक देश भर में 25,000 जेएके खोलने का लक्ष्य रखा है। नए जेएके खोलने के लिए कोई राज्य-वार लक्ष्य नहीं है।

(घ): जेएके के माध्यम से देश के आम लोगों को प्रदान किए जा रहे लाभों का विवरण निम्नानुसार है:

(i) दिनांक 28.2.2025 तक देश भर में कुल 15,057 जन औषधि केन्द्र (जेएके) खोले जा चुके हैं।

(ii) 2,047 दवाइयाँ और 300 सर्जिकल, चिकित्सा उपभोग्य वस्तुएँ और उपकरण योजना की उत्पाद टोकरी में सम्मिलित हैं जिसमें सभी प्रमुख चिकित्सीय समूह शामिल हैं, जैसे कि हृदयवाहिका संबंधी, कैंसर-रोधी, मधुमेह-रोधी, संक्रमण-रोधी, एलर्जी-रोधी और गैस्ट्रो-आंत्र संबंधी दवाइयाँ और न्यूट्रास्युटिकल्स।

(iii) औसतन 10 से 12 लाख लोग प्रतिदिन जन औषधि केंद्रों पर आते हैं और वहनीय मूल्यों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयाँ प्राप्त करते हैं।

(iv) महिलाओं के लिए किफायती मूल्य पर मासिक धर्म स्वास्थ्य सेवाओं की आसान उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, 1 रुपए प्रति पैड की दर से जन औषधि सुविधा सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। दिनांक 28.2.2025 तक, 74.50 करोड़ से अधिक ऐसे पैडों की बिक्री की जा चुकी है।

(v) पिछले 10 वर्षों में, एमआरपी के संदर्भ में 6,975 करोड़ रुपए के मूल्य की दवाइयों की बिक्री जेएके के माध्यम से की गई है, जिसके परिणामस्वरूप बाजार में ब्रांडेड दवाओं के मूल्यों की तुलना में नागरिकों को लगभग 30,000 करोड़ रुपए की बचत होने का अनुमान है।

(vi) औषध विभाग, सहकारिता मंत्रालय के समन्वय में, प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) और अन्य सहकारी समितियों में जेएके खोलने की सुविधा प्रदान कर रहा है ताकि गुणवत्तापूर्ण जन औषधि दवाओं का लाभ देश के ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंच सके। दिनांक 28.2.2025 की स्थिति के अनुसार, पीएसीएस और अन्य सहकारी समितियों द्वारा खोले गए जेएके की संख्या 724 थी।

(vii) इस योजना ने आउटलेट संचालित करने वाले उद्यमियों को स्थायी और नियमित आय के साथ स्वरोजगार प्रदान किया है।

अनुलग्नक

पीएम जन औषधि केन्द्रों की मांग के संबंध में श्री कालिपद सरेन खेरवाल द्वारा पूछे जाने वाले दिनांक 28.03.2025 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4695 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

पश्चिम बंगाल राज्य में खोले गए जन औषधि केन्द्र (दिनांक 28.2.2025 तक)

क्र.सं.	जिला	खोले गए जन औषधि केन्द्र
1.	उत्तर 24 परगना	129
2.	दक्षिण 24 परगना	34
3.	बांकुड़ा	20
4.	पूर्व बर्धमान	32
5.	बीरभूम	5
6.	कूचबिहार	14
7.	दार्जिलिंग	10
8.	दक्षिण दिनाजपुर	1
9.	उत्तर दिनाजपुर	5
10.	हुगली	69
11.	हावड़ा	68
12.	जलपाईगुड़ी	13
13.	कोलकाता	92
14.	मालदा	9
15.	पूर्वी मेदिनीपुर	31
16.	पश्चिमी मेदिनीपुर	21
17.	मुर्शिदाबाद	10
18.	नादिया	18
19.	पुरुलिया	6
20.	अलीपुरद्वार	6
21.	कलिम्पोंग	1
22.	झारग्राम	2
23.	पश्चिम बर्धमान	34
कुल		**630**

*****